1600 छात्र-छात्राओं को मिली डिग्री, सुहानी को चार गोल्ड

मैनिट का दीक्षांत समारोह : सबसे अधिक डिग्री पाने वाले कंप्यूटर साइंस के 230 विद्यार्थी

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 नवंबर. मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में 22 वां दीक्षांत समारोह शनिवार को संपन्न हुआ. समारोह में कुल 1600 विद्यार्थियों को विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की डिग्रियां प्रदान की गई. विशिष्ट अतिथि के रूप में डीजीपी कैलाश मकवाना शामिल हुए.

इस अवसर पर उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके अग्रिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं. साथ ही संस्थान में सेंटर ऑफ पब्लिक सेफ्टी के स्थापना के लिए कार्यवाही किए जाने की घोषणा भी की. मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के चेयरमैन प्रोफेसर टी जी सिताराम उपस्थित रहे. उन्होंने दीक्षांत भाषण देकर विद्यार्थियों को उनके पेशेवर जीवन में उत्कृष्टता और नवाचार के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम में जी वर्नोवा टी एंड डी इंडिया लिमिटेड के सीईओ संदीप जांजरिया भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए. समारोह की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन प्रोफेसर अरविंद ए नतु ने की, जबकि संस्थान के निदेशक प्रोफेसर करुणेश कुमार शुक्ल और रजिस्ट्रार गौरव द्विवेदी पूरे आयोजन की जिम्मेदारी संभालते नजर आए. सुबह 10 बजकर 50 मिनट पर गणमान्य अतिथियों के आगमन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई. अकादमिक शोभायात्रा, सरस्वती वंदना और पुष्पगुच्छ से स्वागत के बाद बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन ने समारोह के उद्घाटन की घोषणा की. इसके बाद संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और निदेशक ने स्वागत भाषण दिया. दोपहर में दीक्षांत समारोह का सबसे महत्वपूर्ण चरण शुरू हुआ. पहले पीएचडी उपाधियां प्रदान की गईं, इसके बाद मास्टर्स और बैचलर्स की डिग्रियों का वितरण हुआ. विद्यार्थियों ने रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए और दीक्षांत स्मारिका का विमोचन भी किया गया. छात्रों और अध्यापकों को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के प्रेरक संबोधन के बाद डीन अकादमिक ने आभार व्यक्त किया. राष्ट्रगान के साथ मुख्य समारोह सम्पन्न हुआ और शोभायात्रा ने स्थल से प्रस्थान किया.

बी टेक पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक 230 छात्रों को कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की डिग्री दी गई. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 199, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 130 और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 166 छात्रों को उपाधि दी गई . वहीं सिविल इंजीनियरिंग में 107 और केमिकल इंजीनियरिंग में 73 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी में 219 छात्रों को उपाधि मिली. मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन के 108 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए. मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में 23 और मास्टर ऑफ प्लानिंग में 17 छात्रों को डिग्री दी गई. साथ ही विज्ञान संकाय में रसायन विषय में 21 और भौतिक विज्ञान में 14 छात्रों को उपाधि मिली. साथ ही पीएचडी में 72 शोधार्थियों को डिग्री दी गई.

> मैंने एमप्लान अर्बन प्लानिंग विषय में अपनी थीसिस पूरी की है, इसमें मुझे गोल्ड मेडल मिला है. मेरे गाइडर डॉ अल्का भरत और डॉ राहुल तिवारी रहे हैं, जिन्होंने मुझे बहुत सपोर्ट किया है. मेरी थीसिस का जो विषय है. वह भविष्य में भोपाल की लैंड पर बनने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर की वैल्यू को बताने में हेल्प करेगा. कि आने वाले समय में किस जमीन पर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना कितना मंहगा और सस्ता होगा.
>
> **जान्हवी तिवारी,** डिपार्टमेंट ऑफ़ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग

> वर्षों की मेहनत और रेगुलर क्लास में प्रेजेंट रहना, अपडेट रहना, हमेशा अपने डाउट्स पूछती रहती थी. इन्हीं सब कोशिश को मिलाकर आज एक बेहतर रिजल्ट मुझे मिला है. चार गोल्ड मेडल पाकर बहुत ही खुश हूं और अभी तो शुरू किया है. बहुत कुछ सीखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करूंगी. फैकल्टी के सहयोग और गाइडेंस ने मुझे संवारने में बहुत मदद की है.
>
> **सुहानी बत्रा,** बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग

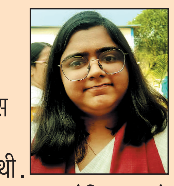

> मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस संस्थान का हिस्सा हूं. एमटेक डिजिटल कम्युनिकेशन विषय में पढ़ाई पूरी की है और आज मुझे गोल्ड मेडल मिला है. बहुत अच्छा लगा रहा है उत्साहित हूं.
>
> **शालिनी पांडेय,** डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन

एक नजर में

वार्षिकोत्सव में जमकर थिरके बच्चे

भोपाल, 22 नवंबर. कैंपियन स्कूल भौंरी में शनिवार को अनुअल डे सेलिब्रेशन (वार्षिकोत्सव) मनाया गया. इस दौरान बैंड डिस्प्ले, लाइटिंग ऑफ द होली डे, डांस, म्यूजिकल शो सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए. कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक डांस सहित अन्य प्रस्तुतियां दी. बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए. कार्यक्रम में प्रिंसीपल अमरीत लाल टोप्पो, वाइस प्रिंसिपल मनोज लकरा, पीआरओ मोहसिन चौधरी सहित अतिथिगण, छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल. स्वदेशी उत्पादों और लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दयालबाग़ प्रदर्शनी समिति, भोपाल द्वारा नर्मदीय भवन, सेकंड बस स्टॉप बाल भवन के पीछे, स्वदेशी उत्पाद प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. शनिवार को प्रदर्शनी का शुभारंभ पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओ.पी. रावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया.

खेलों से होता है विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास : परमार

▶ बीयू में खेल सृष्टि में भारतीय दृष्टि विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

भोपाल, 22 नवंबर. मध्य प्रदेश समिति -क्रीड़ा भारती एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 'खेल दृष्टि भारतीय दृष्टि' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की प्रथम श्रृंखला का आयोजन ज्ञान विज्ञान केंद्र, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में किया गया,जिसका मुख्य उद्देश्य पारंपरिक खेल संस्कृति की पुनर्स्थापना और उसके आधुनिक संदर्भ में पूर्ण अवलोकन करना, व्यायाम पद्धतियों, योग आधारित अभ्यास प्रणाली भारतीय मूल, नैतिक खिलाड़ी एवं प्रशिक्षकों के आचरण में सुधार किस प्रकार किया जाए संगोष्ठी का लक्ष्य था.

राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि इंदर सिंह परमार मंत्री उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग द्वारा किया गया.

मंत्री परमार ने कहा कि परंपरागत खेलों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है. मध्य प्रदेश के समस्त विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में भारतीय परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को मध्य प्रदेश के समस्त शिक्षण संस्थानों में शामिल किया गया है. विशिष्ट अतिथि भीष्म सिंह राजपूत राष्ट्रीय नियामक मंडल सदस्य ने ' खेल सृष्टि -भारतीय दृष्टि 'पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विगत वर्षों में भारत की खेल प्रतिभाएं ओलंपिक, राष्ट्रमंडल, एशिया एवं विश्व चैंपियनशिप खेलों में देखने को मिल रही हैं. विशिष्ट अतिथि दीपक सचेती ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया. कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ आलोक मिश्रा द्वारा किया गया. आभार प्रदर्शन डॉ अनिल शर्मा कुलसचिव बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा किया गया. कार्यक्रम में जबलपुर विश्वविद्यालय से प्रो. विशाल बन्ने, इंदौर विश्वविद्यालय से प्रो. राकेश साहनी सहित 350 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया.

> संगोष्ठी के मुख्य वक्ता अशोक अग्रवाल क्षेत्र कार्यवाहक मध्य क्षेत्र ने कहा कि भारत में महिला एवं पुरुषों में हर क्षेत्र में समानता है, कुछ दिनों पहले महिला क्रिकेट टीम विश्व विजेता बनी है. उन्होंने कहा कि यदि क्रीड़ा भारती के प्रयास के साथ समाज के सभी वर्गों का सार्थक प्रयास रहेगा तो भारत सभी खेलों में फिर से विश्व गुरु बनेगा.

व्यावसायिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाया जाए

▶ अधिकारियों ने कौशल शिक्षा की समीक्षा की

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 नवंबर. पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान में शनिवार को कौशल शिक्षा कार्यक्रमों की समीक्षा की गई.

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव संजय कुमार ने संकाय सदस्यों और अधिकारियों के साथ बैठक कर संस्थान में चल रही गतिविधियों और भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा की. सचिव ने संस्थान को कौशल शिक्षा में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तैयार किए गए प्रेजेंटेशन का अवलोकन किया और अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए. समीक्षा के दौरान उन्हें राष्ट्रीय कौशल उत्सव के प्रस्तावित आयोजन की प्रस्तुति भी दी गई. जिस पर उन्होंने कार्यक्रम की संभावनाओं और क्रियान्वयन पर सकारात्मक मार्गदर्शन प्रदान किया.

बैठक में एनसीईआरटी के निदेशक प्रोफेसर दिनेश प्रसाद सकलानी भी मौजूद रहे. उन्होंने संकाय सदस्यों के साथ संवाद करते हुए व्यावसायिक शिक्षा को और अधिक प्रभावी व सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया.

प्रदर्शनी में चार करोड़ के दुर्लभ डाक टिकट

मेपेक्स 2025 का दूसरा दिन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 नवंबर. राजधानी के समन्वय भवन में मेपेक्स 2025 के दूसरे दिन शनिवार को प्रदर्शनी में दिन भर लोग इतिहास को उकेरती हुई डाक टिकटों को देखने के लिए आते रहे. इन डाक टिकटों के माध्यम से लोगों ने मौजूद फिलेटलिस्ट से इनके संग्रह, इतिहास और क्रम के बारे में बारीकी से समझा.

कार्यक्रम के दूसरे दिन शनिवार को भोजताल और नर्मदा नदी पर विशेष आवरण का विमोचन हुआ. जो भोपाल की सांस्कृतिक पहचान की एक सुंदर झलक पेश करता है. भोजताल के तीन सौ वर्ष पुराने इतिहास और इसकी जैव विविधता को लेकर मुख्य पोस्टमास्टर जनरल विनीत माथुर ने कहा कि फिलेटली हमारे इतिहास और प्रकृति की अनमोल कहानियों को संरक्षित करती है. प्रदर्शनी के दूसरे दिन क्विज कार्यशाला और नृत्य प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्साहपूर्ण बनाए रखा.

प्रदर्शनी की सबसे बड़ी विशेषता यहां प्रदर्शित वह विशाल संग्रह है, जिसकी अनुमानित कीमत चार करोड़ रुपये तक बताई जा रही है. इसमें प्री इंडिपेंडेंस और पोस्ट इंडिपेंडेंस दोनों दौरों के टिकट प्रदर्शित हैं और बीस से अधिक विषयों पर आधारित संग्रह दर्शकों के लिए बीते इतिहास की कहानी को जीवंत बना रहे हैं. इसमें टेक्सटाइल, फूड, ट्रैवल, एजुकेशन, स्पोर्ट्स, स्वतंत्रता सेनानियों, पहली हवाई उड़ान, क्वीन एलिजाबेथ के शासन की 25 वीं सालगिरह का संग्रह सहित अन्य कई विषयों पर आधारित टिकट मौजूद हैं.

कलचुरि समाज का विवाह सम्मेलन आज

भोपाल, 22 नवंबर. कलचुरि कलार समाज द्वारा रविवार को कोलार स्थित एलएनसीटी विश्वविद्यालय सभागार में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. कलचुरि महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. अनुपम चौकसे ने बताया सम्मेलन का मुख्य आकर्षण होगा दूल्हा-दुल्हनों का रथ पर आगमन होगा. बारात में एक साथ रथों पर सवार 11 जोड़े 'सामूहिक वैवाहिक संस्कृति' की मिसाल पेश करेंगे. यह सम्मेलन पूरी तरह निःशुल्क है. इसमें दुल्हा- दुल्हनों के परिजनों को रुकने, नाश्ते, चाय, भोजन, विवाह मंडप की व्यवस्था एलएनसीटी समूह द्वारा, विवाह सामग्री, उपहार कलचुरि समाजजनों के सहयोग से किया गया है.

विद्यार्थियों को बताए यातायात के नियम

भोपाल, 22 नवंबर. शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम) में शुक्रवार को अराईव अलाइव इंडिया संस्थान द्वारा महाविद्यालयीन एनसीसी की तीनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें 170 से अधिक कैडेट्स ने सहभागिता की, जिनमें नेवल विंग के 80, आर्मी विंग के 40 तथा एयर विंग के 50 कैडेट्स शामिल रहे. इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं स्थानीय नागरिकों में ट्रैफिक नियमों के पालन, सड़क सुरक्षा, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, तथा सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व को समझाना था.

विज्ञान प्रदर्शनी का समापन ▶ प्रदर्शनी में 800 से अधिक बच्चों ने प्रदर्शित किए विज्ञान मॉडल

एमपी को विज्ञान हब बनाया जा सकता है : सारंग

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 नवंबर. मध्यप्रदेश देश के केंद्र में होने के साथ ही विज्ञान अनुसंधान के लिए अनुकूल वातावरण रखता है. राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के समापन समारोह में खेल युवा कल्याण और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने यह कहते हुए भरोसा जताया कि प्रदेश को वैज्ञानिक अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनाया जा सकता है. जिससे यहां होने वाले समन्वित प्रयास देश के अन्य राज्यों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होंगे.

शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी समापन के अवसर पर तेईस राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों सहित अन्य राष्ट्रीय संस्थानों के आठ सौ से अधिक बाल वैज्ञानिकों ने अपने दो सौ चालीस मॉडल प्रदर्शित किए. जिसको देखने कई राष्ट्रीय विशेषज्ञ, अधिकारी शामिल हुए.

> समारोह में मंत्री सारंग ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए जय जवान जय किसान जय विज्ञान और जय अनुसंधान के संदेश को दोहराते हुए अनुसंधान की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नई पहल करते हुए मेडिकल शिक्षा को हिंदी माध्यम में उपलब्ध कराने के लिए पाठ्य सामग्री तैयार कराई है. कार्यक्रम में केंद्रीय स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने नई शिक्षा नीति में मातृ भाषा आधारित प्रारंभिक शिक्षा के महत्व पर जोर दिया.